

मैं शिवसैनिक हूँ, था और रहूंगा : अरविंद वालेकर

कथोरे शुभेच्छा बैनर लगाने के बाद वालेकर ने किया खुलासा

■ चर्चा को लगा विराम
■ दैनिक उल्हास विकास का एक्स्क्लूसिव इंटरव्यू
■ यूसुफ शेख



अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख अरविंद वालेकर द्वारा मुरबाड के विधायक किसन कथोरे को बधाई के जगह-जगह बैनर लगाए जाने पर शहर में गत कई दिनों से ये चर्चा जोरों पर है कि क्या वालेकर भाजपा का दामन थामने वाले हैं? ऐसा प्रश्न पूछे जाने पर अरविंद वालेकर ने दैनिक उल्हास विकास को बताया कि वह गत 40 वर्षों से शिवसेना के लिए कार्य कर रहे हैं. उन्होंने अंबरनाथ में शिवसेना के लिए कई कुर्बानियां देकर ऊंचाई की ओर लंकाए हैं. वह शिवसैनिक हैं और रहेंगे. कथोरे को शुभेच्छा बैनर लगाए जाने पर उन्होंने बताया कि उनसे उनके अच्छे संबंध हैं. इसलिए उन्होंने कथोरे के शुभेच्छा

दी है. वालेकर ने इस बयान के बाद उन चर्चाओं को विराम लग गया है कि वह शिवसेना पक्ष को छोड़कर किसी दूसरे पक्ष में जाएंगे. उन्होंने हमें बताया कि वह अभी भी शिवसेना पक्ष के लिए शहर शिवसेना शाखा में जाकर कार्य कर रहे हैं. विधायक किणीकर से उनकी दूरियों पर उन्होंने बताया कि किणीकर ने ही उनको दूर किया है. चुनाव के समय किणीकर ने ही किसी पोस्टर, बैनर, हैंडबिल पर उनका नाम तक नहीं लिखा, तो फिर हम क्यों उन्हें अपने बैनर में जगाह दें. वालेकर ने आगे कहा कि जब किणीकर पहली बार हमारे प्रयासों से विजयी हुए थे, उस समय उन्होंने मेरे कदमों में गिरकर मेरा आभार व्यक्त किया था. हमारी मेहनत,

शिवसैनिकों का संघर्ष और साथ का फल विधायक खा रहे हैं. उन्होंने ये भी खुलासा किया कि बहुत पहले उन्हें दूसरे पक्ष में आने के लिए ऑफर भी आया था. चाहता तो मैं उस समय शिवसेना छोड़ सकता था, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया और ना ही करेगे. विधानसभा चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किणीकर से कहा था कि वालेकर अपना केनेतुत्व में काम करो, लेकिन विधायक ये सब भूल गए हैं. 40 वर्ष से मैं कट्टर शिवसैनिक हूँ और हमारे विकास कार्य को देखते हुए ये रिजल्ट आया है. उसको शहरवासी नहीं भूलेंगे. आखिर मैं फिर उन्होंने इस बात को दोहराया कि वह शिवसैनिक थे और रहेंगे.

डोंबिवली में दोबारा होगी वोटों की गिनती!

वीवीपैट में वोटों की दोबारा गिनती के लिए दीपेश म्हात्रे ने 4.72 लाख की रकम चुकाई

डोंबिवली. डोंबिवली विधानसभा चुनाव में ठाकरे समूह के पराजित उम्मीदवार दीपेश म्हात्रे ने 10 वीवीपैट मशीनों में वोटों की दोबारा गिनती के लिए ठाणे जिला कलेक्टर को आवेदन दिया है। उम्मीदवार म्हात्रे ने इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक 4 लाख 72 हजार रुपये की राशि का भुगतान कलेक्टर कार्यालय को कर दिया है. वहीं, डोंबिवली में उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी ने ईवीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और उस विरोध के तहत शहर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है. शहर के आम नागरिकों ने ईवीएम के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है. इसलिए लोगों की मांग को देखते हुए ठाकरे समूह की ओर से डोंबिवली शहर के विभिन्न



हिस्सों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान को नागरिकों से स्वस्फूर्त प्रतिक्रिया मिल रही है। पूर्व नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने कहा कि इस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से चुनाव आयोग से मांग की जाएगी कि चुनाव ईवीएम मशीनों के बजाय पेपर बिलेट से कराए जाएं। डोंबिवली विधानसभा चुनाव में वास्तविक मतदान और

Won	123815 (+ 77106)
CHAVAN RAVINDRA DATTATRAY	
Bharatiya Janata Party	
Lost	46709 (- 77106)
DIPESH PUNDLIK MHATRE	
Shiv Sena (Uddhav Balasaheb Thackeray)	

तारीख अगले सप्ताह कलेक्टर द्वारा तय की जाएगी. इस बात के सबूत सामने आए हैं कि मतदान प्रक्रिया में छेड़छाड़ की जा रही है. पूर्व स्पीकर और पराजित उम्मीदवार दीपेश म्हात्रे ने कहा कि हम यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, न कि लोगों के विश्वास को नुकसान पहुंचाने के लिए। इस मतगणना प्रक्रिया से संकेत मिल रहे हैं कि

खस्ता सड़कों की धूल से लोग हो रहे बीमार

■ जिम्मेदार मनाया प्रशासन या नवनियुक्त विधायक?
■ शहर की सभी सड़कें खस्ता हाल
■ शहरवासियों को हो रही सांस की तकलीफ़



खराब होने के कारण लगातार उड़ती धूल से नागरिक परेशान हैं, साथ ही शहर की कई सड़कों पर गड्डे बन गये हैं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है. जो नई अच्छी बनी हुई सड़क है उसे भी तोड़ा गया है लेकिन उसकी दोबारा परम्पत नहीं की जाती। इसके जिम्मेदार मनाया प्रशासन या नवनियुक्त विधायक जिनको देखकर जनता ने वोट दिया। शहर की ज्यादातर सड़कें अंडर ग्राउंड ड्रेनेज के कार्य के कारण खुदी हुई हैं। सड़कें तोड़ी जा रही हैं लेकिन उनसे बनने की जिम्मेदारी किसकी? यह सवालिया निशान बना हुआ है।

उल्हासनगर के विभिन्न हिस्सों में सड़कों की हालत खस्ता हो गई है. इस सड़क से उठने वाली धूल के कारण नागरिकों का सांस लेना भी मुश्किल हो गया है. इस धूल के कारण लोग खासकर अस्थमा,

65 अवैध इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश

- मुंबई हाईकोर्ट ने दिया आदेश
- फर्जी दस्तावेज के आधार पर रेरा प्रमाण पत्र लिए
- 3 महिनों में ध्वस्त करनी है इमारतें
- कठौतमना को जारी किया आदेश
- हजारों नागरिकों पर बेघर का खतरा



अनुमति मिली थी और बिल्डरों ने रेरा प्राधिकरण से निर्माण प्रमाण पत्र प्राप्त किया था। इस मामले का खुलासा पाटिल ने आरटीआई में किया था. इसके बाद उन्होंने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की. याचिका पर 19 नवंबर को सुनवाई हुई. इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नगर निगम प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के कारण पुलिस बंदोबस्त नहीं होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो सकी. पुलिस की मौजूदगी मिलते ही कार्रवाई की जायेगी. कोर्ट ने इन 65 अवैध इमारतों को अगले तीन महीने में गिराने का आदेश दिया. केडीएमसी ने पहले 17 इमारतों पर कार्रवाई की थी लेकिन 48 इमारतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है, कुछ इमारतों में नागरिक रहते हैं, जिससे नागरिकों में डर है।

महिला को व्हाट्सएप चैटिंग पड़ी महंगी

- 10 लाख 8 हजार की ऑनलाइन टगी



कुकरेजा इंस्टीट्यूट के रोनाल्ड नाम के दोस्त से व्हाट्सएप पर चैट कर रही थी। एक दिन रोनाल्ड नाम के एक दोस्त ने कहा कि वह मिलने के लिए भारत आ रहा है। इसी बीच 21-23 नवंबर को राकेश शर्मा नाम

के एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारी बताया और कहा कि उसका दोस्त रोनाल्ड बिना दस्तावेजों के भारत आया है। उस मामले में रोनाल्ड के साथ-साथ वनिता कुकरेजा पर भी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया है. इससे निजात पाने के लिए विभिन्न बैंक खातों में पैसे भेजने को कहा। वनिता ने डर के मारे 10 लाख 8

हजार 100 रुपए ऑनलाइन भेज दिए। इसके बाद जब पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो वह सेंट्रल थाने पहुंची और पुलिस को सारी बात बताई. घटना की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल पुलिस ने अज्ञात रोनाल्ड और राकेश शर्मा के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। नागरिकों को भी ऐसी ऑनलाइन चैटिंग और फर्जी मोबाइल कॉल, ऑनलाइन गुर से सावधान रहना चाहिए।

शांतिर अपराधियों का एक गिरोह गिरफ्तार



दण्ड दिया गया था। मामले की समानांतर जांच ठाणे अपराध जांच शाखा की कल्याण इकाई द्वारा की जा रही थी। कल्याण इकाई को सूचना मिली थी कि इस मामले का संदिग्ध अंबिवली आया. इस जानकारी के आधार पर टीम ने अंबिवली की ईरानी बस्ती में जाल बिछाया. उस वक्त पुलिस ने तौफैक, मोहम्मद अली, अब्बास और सूरज नाम के चार लोगों को हिरासत में लिया था. जब उससे पूछताछ की गई तो उसने 70 अपराध जांच की बात कबूल की. इसमें 40 सोने की चेन, 24 मोबाइल, छह वाहनों की चोरी शामिल है। पुलिस ने इनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए इनके पास से 51 लाख 18 हजार रुपये कीमत के 50 तोला सोने के गहने, 24 मोबाइल फोन, छह दोपहिया वाहन और एक मोटर जन्क की है. इन चारों के खिलाफ ठाणे, कल्याण, बदलापुर, शिल-दिघर, भिवंडी पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए हैं।

70 मामले दर्ज ठाणे: ठाणे जिले के ठाणे, भिवंडी, कल्याण और बदलापुर इलाकों में चैन, मोबाइल फोन और वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह के चार लोगों को ठाणे पुलिस की अपराध जांच शाखा ने इरानी बस्ती से गिरफ्तार किया है. उन पर चोरी के कुल 70 मामले दर्ज हैं. ठाणे अपराध जांच विभाग के उपायुक्त अमर सिंह जाधव ने बताया कि इनके पास से 50 लाख 18 हजार रुपये का माल जब्त किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तौफैक हुसैन (29), मोहम्मद अली उर्फ कालीचरण जावेरी अली (36), अब्बास जाफरी (27) और सूरज सालुंखे (19) के रूप में हुई है. कल्याण के कोलशेवाडी पुलिस स्टेशन में चोरी का मामला

विधायक किणीकर का हर स्तर पर जोरदार स्वागत

- ये मेरी नहीं जनता जीत है : किणीकर
- पूरे शहर का दौरा करके मतदाताओं का आभार व्यक्त



शहर पश्चिम में कई परिसर में जब वह पहुंचे तो लोगों ने गुलाल एवं फूलों की बरसात करके उनका स्वागत किया. हर एक परिसर में डालकी बहनें ज्यादा संख्या दिखाई दी. जहां भी उन्हें मंदिर अथवा मस्जिद दिखाई दिया. वहां पर जाकर पूजा अर्चना की और दोनों धर्मों के लोगों से मिलकर बातचीत की आशीर्वाद ली और उनकी

समस्याओं को सुना. हिंदू समाज दलित और मुस्लिम समुदाय, उत्तर भारतीय, धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से भेंट करके हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया. तो उपस्थितों ने पुष्पगुच्छ, हार, शॉल श्रीलक्ष्मी देकर उनका अभिनंदन करते बधाई दी. वह शहर पश्चिम के भवानी चौक खुट्टेवली, कैलाश नगर, शिवनगर, उलन चाल, चिंचपाड़ा, बुवापाड़ा, हाउसिंग बोर्ड व अन्य परिसर में गए. उनके साथ सुनिल चौधरी, प्रमोद कुमार चौबे आदि उपस्थित थे. किणीकर के

मतदाताओं से भेंट करके शहर विकास एवं उनकी समस्याओं को हल करने का वादा करते हुए कहा कि ये उनकी नहीं जनता की जीत है. किणीकर ने कहा कि उनकी जीत से शहर की जनता में उत्साह और खुशी है. पूरा शहर शिवसेनामय हो गया है. उनका स्वागत करने वालों में अब्दुल शेख, तेजनारायण बाबा, डॉ. संदीप दास, नासिर कुंजाली, साजिद उस्ताद, यूसुफ पठाण, विकास और राहुल हेमराज, रफीक खान, सुनिल सोनी, रमो काझी, संदीप लोके आदि नेता थे.

रविवार को मेगा ब्लाक

मुंबई. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से विद्याविहार अप-डाउन धीमी मार्ग पर, हावर्ड मार्ग के पनवेल से वाशी अप-डाउन रूट पर मेगा ब्लॉक रहेगा. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से विद्याविहार अप-डाउन धीमे रूट सुबह 10:55 से दोपहर 3:25 तक कबल रहेगा। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से प्रस्थान करने वाली धीमी ट्रेनों को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल और विद्याविहार स्टेशनों के बीच डाउन एक्सप्रेस लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। ये ट्रेनें भायखला, परल, दादर, माटुंगा, शिव और कुर्ला स्टेशनों पर स्टॉप लेंगी.

कल्याण पूर्व में पुलिस की गश्त 'धक्का स्टार्ट'



कल्याण. विधानसभा चुनाव के बाद से ही पुलिस व्यवस्था अलर्ट हो गई है. पुलिस की यह गश्ती चुनाव परिणाम के बाद शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिल रही है. हालांकि राज्य में पुलिस सतर्क है, लेकिन देखा जा रहा है कि उनकी गाड़ियां सतर्क नहीं हैं. कल्याण पूर्व के नेवाली चौक के कल्याण को एक फ्लोट वाहन को स्टार्ट करने के लिए धक्का लगाया पड़ता है। यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है. चुनाव अवधि के दौरान कल्याण पूर्व में धक्का स्टार्ट वाहन में पुलिस की गश्त वास्तव में कैसी थी? इस फोटो की हर तरफ चर्चा हो रही है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं. विधानसभा चुनाव में कल्याण

ग्रामीण और कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र काफी चर्चा में रहे। इस इलाके में पुलिस व्यवस्था भी काफी चौकस थी. चुनाव नतीजे आने के बाद भी कल्याण पूर्व के ग्रामीण इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ गयी है. विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विवादों की आशंका जताई जा रही है. क्या चुनाव के दौरान पुलिस ऐसी टूटी गाड़ियों में गश्त कर रही थी? ऐसा कहकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इससे यह भी सवाल खड़ा हो गया है कि जब पुलिस के हाथ में खराब वाहन होगा तो अपराध पर अंकुश कैसे लाएगा। एक तरफ जहां पुलिस बेड़े में नई-नई गाड़ियां आ रही हैं. लेकिन दूसरी ओर, पेट्रोलिंग के लिए पुलिस को फिलहाल पुराने गाड़ी परेशान कर रही है. इसलिए पुलिस भी असमंजस में है. ऐसे में फिलहाल यह सवाल उठ रहा है कि आखिर पुलिस वाहन की समुचित व्यवस्था कब होगी.

अब बाइक पर पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य

ठाणे. बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से कार्रवाई की जा रही है. इस कार्रवाई से अक्सर पुलिस और वाहन चालकों के बीच विवाद की स्थिति बन जाती है। लेकिन अब राज्य परिवहन विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने राज्य के सभी पुलिस आयुक्तों और अधीक्षकों के साथ दोपहिया वाहन पर बिना हेलमेट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया है.



राज्य सरकार के इस फैसले से अब पुलिस और बाइकर्स के बीच तकराव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं. यह निर्णय ठाणे कमिश्नरेंट क्षेत्र यानी ठाणे से बदलापुर और भिवंडी क्षेत्र में भी लागू है और जल्द ही पुलिस द्वारा एक अभियान चलाया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बिना हेलमेट वाले वाहन चालक पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और साथ में बेटे यात्री पर भी 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा.

दुर्घटनाओं में चोट लगने या मृत्यु की दर अधिक होती है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना हेलमेट वाले व्यक्ति और हेलमेट नहीं पहनने वाले सह-यात्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। पिछले कुछ सालों में ठाणे ट्रैफिक पुलिस ई-चलान मशीन के जरिए ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. इसमें बिना हेलमेट वाले बाइक चालकों की संख्या अधिक है.

अभी तक पुलिस सिर्फ बिना हेलमेट वाले वाहन चालकों पर ही कार्रवाई कर रही थी। लेकिन अब अपर पुलिस महानिदेशक ने उसकी बाइक पर पीछे बैठे उसके सहकर्मी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं. साथ ही ई-चलान मशीनों में धारा 129/194 (डी) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी इसी तरह कार्रवाई की जा रही थी. लेकिन अब प्रशासन ने साफ किया है कि मशीनें बदलने पर दोनों तरह से कार्रवाई की जाएगी.

इसलिए अब कार्रवाई ठाणे कमिश्नरेंट क्षेत्र यानी ठाणे से बदलापुर और भिवंडी शहर में की जाएगी। ठाणे जिले के कई इलाकों में अब भी बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों की संख्या ज्यादा है. ट्रैफिक पुलिस के कार्रवाई करने पर अक्सर वाहन चालकों और पुलिस के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में अब पुलिस और वाहन चालकों के बीच विवाद बढ़ने की आशंका है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

विकास

संपादकीय

प्रदूषण की आग से घुट रही विकासशील देशों की सांसें

विकासशील देशों में प्रदूषण ने इंसान के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, यह सब जानते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या से लड़ने के लिए बैठकें होती हैं, हर वर्ष नए उपाय बताए जाते हैं। मगर विडंबना है कि इस समस्या की गंभीरता और इसके कारणों के बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद उससे निपटने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि अब इस समस्या के बढ़ते दायरे ने व्यापक तबाही के संकेत देने शुरू कर दिए हैं।

हालांकि हवा में जहर घुलने से कई तरह की बीमारियों की चोट में लोगों के आने के तथ्य एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं और इस हकीकत से मुंह मोड़ना अब संभव नहीं रह गया है। मगर हाल के वर्षों में जंगलों में लगने वाली आग की वजह से हवा में जो प्रदूषण घुल रहा है, उससे भारी संख्या में लोगों की जान जा रही है। स्वास्थ्य पत्रिका 'द लैसैट' में प्रकाशित एक अध्ययन में इससे संबंधित जो ब्योरा सामने आया है, वह इसकी गंभीरता को रेखांकित करने के लिए काफी है।

गौरतलब है कि जंगलों और घास के मैदानों में लगने वाली आग और प्रदूषण से सांस संबंधी बीमारियों के कारण हर वर्ष लगभग साढ़े चार लाख लोगों की जान चली जाती है। इनमें नव्हे फीसद से ज्यादा मौतें निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले देशों में होती हैं। अध्ययन में आशंका जताई गई है कि जंगल में आग की घटनाओं में बढ़ती के साथ-साथ मरने वालों की संख्या में भी इजाफा होता जाएगा।

ऐसी समस्या से निपटने के लिए विकसित देशों की ओर से विकासशील देशों को आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन समृद्ध देश हर ऐसे मौके पर अपनी जिम्मेदारी से परे पला झाड़ लेते हैं। हैरानी की बात है कि विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में भी जंगल में आग की घटनाओं से पार पाना एक चुनौती बनी हुई है। सवाल है कि जब तक इस समस्या पर प्राथमिकता के साथ काम नहीं किया जाएगा, तब तक इसके हल का रास्ता निकालना कैसे संभव होगा।

सरकार गठन में देरी से बिगड़ रहा सत्ता का समीकरण

गठबंधन में चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करने पर अक्सर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। फिर, गठबंधन धर्म का निर्वाह और सहयोगी दलों के साथ सौहार्दपूर्ण समीकरण बिटाने में कई बार कठिनाई पेश आती है। महाराष्ट्र में भाजपा के सामने भी वही स्थिति है। वहां उसने एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। सबसे अधिक सीटें भाजपा को मिलीं। स्पष्ट बहुमत से महज तेरह सीटें कम। इस लिहाज से मुख्यमंत्री पद पर उसी का हक बनता है। शुरू में एकनाथ शिंदे ने जरूर कुछ दबाव बनाने का प्रयास किया था, मगर आखिरकार उन्होंने भी भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। इस तरह भाजपा के लिए रास्ता साफ हो गया और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जाने लगा। मगर दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअगुआई की सरकार बना ली थी। फिर शिवसेना और राष्ट्रवादी



दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

कांग्रेस में बड़ी टूट हुई और इन दलों के नेताओं ने भाजपा के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे की अगुआई में सरकार बना ली थी। संभव है, वहां उलट-फेर की आशंका भाजपा को अब भी सता रही होगी, इसलिए वह नई सरकार के गठन में किसी भी तरह सहयोगी दलों को असंतुष्ट नहीं रखना चाहती। फिर, जातियों का समीकरण भी उसे साधना है। वह मराठा दबदबे से अलग पिछड़े और दलित वर्ग में पैठ बनाना चाहती है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान,

छत्तीसगढ़ और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह इन वर्गों को संतुष्ट करने का प्रयास किया, उससे यह कयास स्वाभाविक रूप से लगाया जाने लगा है कि महाराष्ट्र में भी भाजपा कोई हेरान करने वाला फैसला कर सकती है। राजनीति में केवल सरकार बना लेना महत्वपूर्ण नहीं होता, सरकार के माध्यम से अपने जनाधार का विस्तार करना भी होता है। भाजपा इसी रणनीति पर काम कर रही है।

मगर सरकार के गठन में देरी से प्रशासनिक कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मतदाता उन वादों को अमली जामा पहनते देखना चाहते हैं, जो चुनाव प्रचार के समय विजेता पक्ष ने किए थे। प्रशासनिक अमला इंतजार करता रहता है कि नई सरकार निर्देश दे कि उसे किन

मसलों को तरजीह देना है और किन मसलों को मुलती व करना है। महाराष्ट्र आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों में शुमार है, इसलिए वहां सरकार गठन में होने वाली देरी का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

यह ठीक है कि गठबंधन में संतुलन साधना कठिन होता है, मगर महाराष्ट्र में ऐसी कोई अड़चन नजर नहीं आती। भाजपा को ही अपने असमंजस से बाहर निकलना है। चूंकि वह बड़ी पार्टी है, उसे सहयोगी दलों के साथ उदारता पूर्वक व्यवहार करना और उनके सहयोग का सम्मान करना होगा, तभी महारुति की टिकाऊ और भरोसेमंद सरकार बन सकेगी। पहले ही महाराष्ट्र काफी उठा-पटक झेल चुका है, उसे राजनीतिक स्थायित्व की जरूरत है।

यदि हम नियमित रूप से ध्यानाभ्यास करते रहेंगे, तो हम अवश्य अधिक से अधिक आध्यात्मिक उन्नति करते चले जायेंगे।

- संत राजिन्द्र सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपालू रुहानी मिशन, सावन आश्रम, परसत संत कृपालू सिंह जी महाराज चौक, खैरानी रोड, उल्हासनगर-2

देखें सत्यंग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

8 पड़पोते और 22 पड़पोतियों की दादी ने हंसी खुशी कहा अलविदा



संत राजिन्द्र सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपालू रुहानी मिशन, सावन आश्रम, परसत संत कृपालू सिंह जी महाराज चौक, खैरानी रोड, उल्हासनगर-2

देखें सत्यंग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

उन्के 3 बेटे, 5 बेटियां हैं। उनके 6 पोते, 1 पोती, 8 दादिलेतर 7 नातिने हैं। उनकी तीसरी और चौथी पीढ़ी में कुल 8 पड़पोत्रियां हैं। एक लंबा जीवन अपने परिवार के साथ बिताकर दुनिया को अलविदा कहने से परेजनों को दुख तो है लेकिन उन्हें इस बात का संतोष है कि वे पुरा जीवन स्वस्थ बीता कर गई हैं।

इमकू देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। वे इस उम्र में भी नियमित मंदिर जाकर पूजा पाठ किया करती थीं। वे प्रतिदिन मंदिर जाने के अलावा और खेतों में भी काम करने जाया करती थीं। नियमित तौर पर काम करते रहने से इमकू देवी के कोई बीमारी नहीं थीं। वे कोरोना काल में भी पूरी तरह से स्वस्थ रही थीं। पिछले विधानसभा चुनाव में इमकू देवी ने होम वॉटिंग की सुविधा का लाभ भी लिया था। इमकू देवी के निधन से उनके गांव में शोक की लहर छाई हुई है।

पिछले भरा पुरा परिवार छोड़कर गई हैं। उन्होंने अपनी चार पीढ़ियों के साथ हंसी खुशी से जीवन यापन किया।

इमकू बाई के बेटे यमुना शंकर पंचोली ने बताया कि

उदयपुर जिले के मावली की 108 साल की बुजुर्ग महिला इमकू बाई का निधन हो गया है। इमकू बाई ने परिवार की

जरा हट के

चार पीढ़ियों के साथ जीवन यापन कर इस हंसे हुए इस दुनिया को अलविदा कहा। इमकू बाई ने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। उसके कुल 8 पड़पोत्र और 22 पड़पोत्रियां हैं। परिवार में सदस्यों की संख्या 50 है। इमकू देवी के कोई बीमारी

नहीं थीं। वे 106 साल की उम्र तक भी खाना बनाती थीं। उन्होंने कोरोना काल में एक भी वेकसीन नहीं लगवाई थीं।

जानकारी के अनुसार मावली कस्बे के गाडियावास गांव की रहने वाली इमकू बाई स्वर्गीय मंगनाराम पंचोली की धर्मपत्नी थीं। मंगनाराम पंचोली मावली रेलवे स्टेशन पर पॉस्टमैन के रूप में नौकरी करते थे। इमकू बाई संभवतया मावली क्षेत्र की सबसे बुजुर्ग महिला थीं। 108 साल की उम्र में देवलोक जाने वाली इमकू बाई अपने

सर्दियों में बढ़ जाती है गठिया की परेशानी

■ इन तरीकों को अपनाकर पाएँ दर्द से राहत

सर्दी आते ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं अधिक होने लगती हैं, जिनमें गठिया यानी अर्थराइटिस प्रमुख है। इसमें भी रूमेटाइड अर्थराइटिस सर्दियों में ज्यादा पीड़ादायी हो जाती है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ जोड़ों पर हमला करती है, जिस कारण सूजन, दर्द और जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। दरअसल, ठंड के मौसम में रक्त संचार कम होने लगता है और मांसपेशियों में खिंचाव बढ़ जाता है, खासकर जो मांसपेशियां अक्सर ठंडे पानी में काम करती हैं। गठिया का दर्द न केवल शारीरिक रूप से महसूस होता है, बल्कि इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सर्दियां दस्तक दे चुकी हैं, इसलिए आपको इस दर्द से निपटने के तरीकों पर गौर करना चाहिए।

■ गर्माहट की जरूरत

इस समय जब वातावरण में हल्की ठंडक महसूस होने लगी है तो आप हल्के गर्म कपड़ों का चुनाव करें, साथ ही घर के भीतर के तापमान को भी स्थिर रखें। सर्दियों में गरम पानी से नहाने से रक्त संचार में सुधार होता है और मांसपेशियों को भी काफी आराम मिलता है।

■ सही खान-पान

आहार में ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। भोजन में मछली, अखरोट, अलसी जैसे हेल्दी फूड शामिल करने से शरीर में मौजूद सूजन को कम करने में मदद मिलती है। वहीं सर्दियों में पानी की मात्रा कम हो जाती है, लेकिन हाइड्रेट रहना और सही मात्रा में रोजाना पानी पीना जरूरी है। हाइड्रेट रहने से शरीर के जोड़ों में लुब्रिकेशन बना रहता है और



गठिया की समस्या से राहत मिलती है।

■ नियमित व्यायाम

हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, जैसे कि योग, फंक्शनल ट्रेनिंग या स्ट्रेचिंग करने से जोड़ों में लचीलापन आता है। यह दर्द को कम करने और जोड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यदि आपको परेशानी ज्यादा बढ़ गई है तो आप फिजियोथेरेपी या मसाज का सहारा ले सकते हैं। इससे जोड़ों की गति बढ़ती है और मालिश से मांसपेशियों में तनाव कम होता है।

■ आराम और जरूरी दवाएं

अगर आपको ज्यादा दर्द महसूस हो रहा है तो आराम करें। ज्यादा दौड़-भाग वाला काम न करें। भारी काम करने से बचे और नियमित ब्रेक लेती रहें, क्योंकि दर्द में काम करेगी तो समस्या अधिक बढ़ सकती है।

■ मानसिक स्वास्थ्य

गठिया की समस्या भारत के लगभग हर घर में देखी जाती है। ऐसे में ठंड के दिनों में गठिया रोगियों के लिए खुद की केयर करने के साथ ही मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। दरअसल, दर्द और असुविधा से परेशान रहने के कारण गठिया पीड़ित व्यक्ति में तनाव, अवसाद और चिंता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए योग, ध्यान और अन्य मनोवैज्ञानिक उपायों को अपनाना भी आवश्यक है।

■ थोड़ा देर से जाएँ घूमने

हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन कुमार बताते हैं, सर्दियों में गठिया के दर्द में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि ठंड में शरीर की रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे जोड़ों में खिंचाव और सूजन बढ़ सकती है। इसके अलावा सर्दियों में मूवमेंट कम होने से जोड़ों में कठोरता भी बढ़ सकती है। इसलिए आप ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनें, खासकर जोड़ों के आस-पास। आप गर्म स्वेटर, शॉल, बन्तान और मफलर का उपयोग करें। हल्के व्यायाम और योग गठिया के लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। अगर आप सुबह वॉक पर जाते हैं तो थोड़ा देर से जाएँ, जब वातावरण में थोड़ी गर्माहट आ जाए। साथ ही सबसे जरूरी है, संतुलित आहार का सेवन करना और गम खाद्य पदार्थों को शामिल करना।

मूली की क्रिस्पी पूड़ियां

सर्दियों के सीजन में फ्रेश मूली मार्केट में खूब मिलती है। अब इन मूलियों की चटनी और परांटे खाकर बोर हो चुके हैं, तो बनाएं क्रिस्पी पूड़ियां। जिसका स्वाद सबको पसंद आएगा और ये बच्चों के लंबीवस से लेकर संडे ब्रंच के लिए भी परफेक्ट है। सख्त लें मूली की क्रिस्पी पूड़ी बनाने का बिल्कुल आसान तरीका। जिससे बिना तैयारी के ही फ्रीफ्रिज टरेटी खाना बनकर रेडी हो जाएगा।

सामग्री :

- 3-4 मूली
- एक कप पानी
- एक चम्मच देसी घी
- कलौंजी एक चम्मच
- अजवाइन एक चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- लहसुन का पेस्ट
- अदरक का पेस्ट एक चम्मच
- हर मिर्च का पेस्ट
- चावल का आटा डेढ़ कप

विधि :

सबसे पहले मूली को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। फिर कट्टकस की मदद से घिस लें।



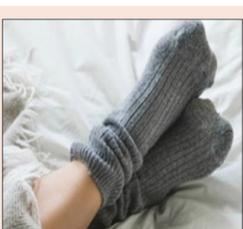
अब पैन में पानी एक कप डालकर गर्म करें और फिर उसमें नमक, हरी मिर्च का पेस्ट, अदरक, लहसुन का पेस्ट, कलौंजी और अजवाइन डालकर मिक्स करें। साथ में एक चम्मच देसी घी भी डाल दें। अब गर्म पानी में घिसी हुई मूली डालें और मिक्स करें। साथ में चावल का आटा डालें। अगर



आपके पास चावल का आटा नहीं है तो सूजी से भी इस पूड़ियों को तैयार किया जा सकता है। गैस की फ्लेम बंद कर दें और मूली के साथ चावल के आटे को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद ढक्कन से ढंक दें। करीब दो से तीन मिनट बाद ढक्कन हटाएं और फिर हाथों से गूथ लें। इसमें एक्सट्रा पानी डालने की जरूरत नहीं है। बस तैयार आटे से फटाफट छोटी-छोटी पूड़ियां बनाएं और गर्मागर्म तेल में डालें। पूड़ी को बेलते समय थोड़ा सा सूखा आटा या फिर तेल लगा लें। जिससे पूड़ियां आसानी से बनें और हाथ पर चिपके नहीं। ध्यान रहे कि मूली पानी छोड़ती है तो इस तैयार गूथ आटे को ज्यादा देर ना रखें नहीं तो पूड़ियां नहीं बन पाएंगी।

सर्दियों में स्वेटर-मौजे पहनकर सोने वाले सुधार लें ये आदत

सर्दियों से बचने के लिए अगर आप भी रात में ऊनी कपड़े पहनकर सोते हैं तो आपको कई डॉल्स का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल स्वेटर पहनकर सोने से कई बार रिस्क रिलेटेड इश्यूज जैसे खुजली, रेशेज और रिस्क इन्फेक्शन, एरिजमा आदि हो सकते हैं। स्वेटर पहनकर सोने से रात में स्वेटिंग भी हो सकती है जिसका सीधा असर आपके ब्लड प्रेशर पर पड़ सकता है। इसके अलावा स्वेटर पहनकर सोना हार्ट हेल्थ के लिए भी अच्छा नहीं है क्योंकि स्वेटर पहनकर सोने की वजह से शरीर का टैम्परेचर कई बार काफी बढ़ जाता है। जिससे दिल की बीमारियों का खतरा भी इंडीज हो जाता है। ऐसे में बेहतर यही है कि आप फुल स्लीव्स के नॉर्मल कपड़े पहनकर ही सोएं।



■ रजाई में मौजे पहनकर सोने के नुकसान

कई बार रजाई में भी पैर काफी ठंडे रहते हैं जिसकी वजह से लोग अक्सर मौजे पहनकर ही सो जाते हैं। हालांकि ये आदत आपके लिए नुकसानदायक हो सकती है। दरअसल रात में मौजे पहनकर सोने से ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है, जिससे आपको बेचैनी महसूस हो सकती है। इसके अलावा रिस्क संबंधी परेशानियां जैसे खुजली, रेशेज और बैक्टीरिया बिल्ड अप भी हो सकता है। अगर मौजे कुछ टाइम

किस्म के हैं तो ये आपके ब्लड सर्कुलेशन यानी रक्त के प्रवाह को भी धीमा कर सकते हैं। इसके अलावा मौजे पहनकर सोना दिल की सेहत के मामले में भी खतरनाक है। दरअसल जब हम कपड़े पहनें तो हमारे शरीर को गर्म रखते हैं। स्वेटर पहनकर सोते हैं तो इससे पैरों की नसें पर दबाव पड़ता है। इसके चलते हार्ट को ब्लड पंप करते वक्त ज्यादा जोर लगाना पड़ता है। इसकी वजह से कई बार सांस लेने में दिक्कत और बेचैनी की समस्या हो सकती है। ऐसे में अगर आपको मौजे पहनकर सोना ही है तो हमेशा हल्के फेब्रिक वाले और ढीले-ढाले और साफ-सुथरे मौजे पहनकर ही सोएं।

सर्दियों में निकलने लगती है नाखून के पास की स्किन

■ ...तो अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों में अक्सर ज्यादातर लोग नाखून के आसपास की स्किन निकलने की शिकायत करते हैं। नाखून के आसपास की त्वचा को क्यूटिकल्स कहा जाता है। जो नाखून के आसपास के कॉर्नर से सर्दियों में हल्की-हल्की निकलने लगती है। इस स्किन को जबरदस्ती खींचकर हटाने पर कई बार सूजन भी निकल आता है, जो बाद में कई दिनों तक दर्द का कारण बनता है। अगर आपको भी नाखून के आसपास की स्किन सर्दियों में निकलने लगती है तो ये क्यूटि टिप्स आपको समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

अपनाएं ये टिप्स नारियल तेल

अगर क्यूटिकल सूखकर उखड़ रहे हैं, जिसकी वजह से आपको दर्द महसूस हो रहा



है तो नारियल तेल को क्यूटिकल पर लगाकर हल्की मसाज करें। नारियल तेल लगाते पर स्किन सॉफ्ट हो जाएगी। जिससे आप प्लकर की मदद से डेड स्किन को हटा पाएंगे।

हाइड्रेटेड रखें त्वचा

सर्दियों में अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइस्चराइजर का नियमित इस्तेमाल करें। अपने नाखूनों के चारों तरफ मॉइस्चराइजर को अच्छी तरह लगाएं।

पेट्रोलियम जेली से मसाज

रोजाना रात को सोने से पहले पेट्रोलियम जेली से

अपने नाखूनों के आस-पास हल्के हाथों से कुछ देर मसाज करने पर भी इस समस्या से राहत मिल सकती है।

गर्म पानी में न डालें हाथ

बहुत गर्म पानी से नहाने से भी त्वचा में मौजूद नमी खोने लगती है। जो नाखून के आसपास की स्किन के सूखने का कारण बनती है। इससे बचने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और हाथ धोने के बाद त्वचा की नमी को बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का प्रयोग करें।

एलोवेरा

क्यूटिकल्स निकलने पर आप उस जगह एलोवेरा लगाएं। इसे नाखून के आसपास की त्वचा पर करीब 10 मिनट तक लगाए रखें।

हल्के हाथों से मसाज करें।

आज का राशिफल

■ **मेष** : धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशंकरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। यकान रहेगी।

■ **वृषभ** : आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकांश वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरे खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। ध्यान दें।

■ **मिथुन** : धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

■ **कर्क** : पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवाहों से दूर रहना चाहिए। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। आर्थिक तंगी रहेगी। पिछले कार्यों को टालें।

■ **सिंह** : अप्रत्याशित लाभ होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोरिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुएं क्रय करेंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

■ **कन्या** : पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। झूठ आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अतः सावधान रहें। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। व्यापार में सफलता मिलेगी।

■ **तुला** : दौलत जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। सांख्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग्य शुभ है। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुसंगति से लाभ होगा।

■ **वृश्चिक** : नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी। समाज-परिवार में आदर मिलेगा। योजना फलीभूत होगी।

■ **धनु** : कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। बरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे।

■ **मकर** : संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनों की प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

■ **कुंभ** : लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। झूठ-प्रसंग में अनावश्यक विवाद होगा। व्यावसायिक योजनाएं क्रियान्वित नहीं हो पाएंगी।

■ **मीन** : प्रसन्नता ठीक चलेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रकाश होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कड़मकड़ा दूर होगी। स्वजनों से भेंट होगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी।

